अध्याय 3

क्या लिखूँ?

लेखक/कवि: हरिशंकर परसाई

[गद्य खंड]

कक्षा	9
विषय	हिंदी
पुस्तक	NCERT 'गंगा'
पाठ का स्रोत	
आवश्यक अवधियाँ	3
प्रत्येक अवधि का समय	40 मिनट

◆ अवधारणाएँ (Concepts)

1. व्यंग्य साहित्य की प्रकृति और उद्देश्य

इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी व्यंग्य की विशेषताओं को समझेंगे। वे सीखेंगे कि लेखक किस प्रकार हास्य और कटाक्ष के माध्यम से समाज की कुरीतियों और विसंगतियों पर प्रहार करता है तथा पाठक को सोचने पर विवश करता है।

2. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लेखक की दुविधा

लेखक के मन में यह दुविधा है कि वह किस विषय पर लिखे। इसके माध्यम से विद्यार्थी समझेंगे कि रचनात्मक लेखन केवल शब्दों का चयन नहीं, बल्कि विचारों और उद्देश्यों का चयन भी है। लेखन एक सामाजिक जिम्मेदारी है।

3. सामाजिक विसंगतियाँ और आलोचनात्मक दृष्टि

पाठ में समाज की विभिन्न समस्याओं, विरोधाभासों और विसंगतियों को उजागर किया गया है। विद्यार्थी यह समझेंगे कि समाज में व्याप्त असंगतियों को पहचानने और उन पर विचार करने की क्षमता एक जागरूक नागरिक का आवश्यक गुण है।

◆ अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पाठ का सारांश अपने शब्दों में स्पष्ट एवं क्रमबद्ध रूप से लिख सकेंगे।
- व्यंग्य के प्रमुख तत्वों (हास्य, कटाक्ष, आलोचना) की पहचान एवं व्याख्या कर सकेंगे।
- लेखक की दुविधा और विचारों को समझकर विश्लेषण कर सकेंगे।

- कठिन शब्दों का अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
- सामाजिक समस्याओं पर अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकेंगे।
- सरल एवं प्रभावी भाषा में रचनात्मक लेखन कर सकेंगे।

◆ शिक्षण-अधिगम रणनीतियाँ (Pedagogical Strategies)

प्रवेश गतिविधि: शिक्षक प्रश्न पूछेगा— "यदि आपको किसी विषय पर लिखने के लिए कहा जाए, तो आप क्या लिखना चाहेंगे और क्यों?" इससे विद्यार्थियों में जिज्ञासा उत्पन्न होगी।

व्याख्या विधि: शिक्षक प्रत्येक अनुच्छेद की सरल भाषा में व्याख्या करेगा तथा व्यंग्य के तत्वों को उदाहरण सहित समझाएगा।

समूह चर्चा: विषय: "क्या व्यंग्य समाज-सुधार का प्रभावी माध्यम है?" — इससे विद्यार्थियों की तर्कशक्ति विकसित होगी।

रचनात्मक गतिविधि: विद्यार्थियों से किसी सामाजिक विषय पर लघु व्यंग्य लिखने को कहा जाएगा।

प्रश्नोत्तर विधि: प्रत्येक भाग के बाद प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों की समझ का आकलन किया जाएगा।

◆ अन्य विषयों के साथ समेकन (Integration)

- सामाजिक विज्ञान: सामाजिक समस्याएँ और सुधार
- अंग्रेज़ी: व्यंग्य का अनुवाद या सार लेखन
- कला शिक्षा: व्यंग्यात्मक चित्र (कार्टून) बनाना
- मूल्य शिक्षा: सत्य, ईमानदारी और सामाजिक जागरूकता
- मीडिया अध्ययन: समाचार एवं व्यंग्य लेखों का विश्लेषण

◆ आकलन (Assessment)

- मौखिक आकलन: वाचन, प्रश्नोत्तर एवं चर्चा में भागीदारी।
- लिखित आकलन: लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।
- समूह चर्चा एवं रचनात्मक लेखन में सहभागिता।
- रचनात्मक लेखन: "यदि मैं लेखक होता…" विषय पर अनुच्छेद।
- कार्यपत्रक: शब्दार्थ, रिक्त स्थान, मिलान एवं व्याख्या-आधारित प्रश्न।

◆ शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- NCERT पाठ्यपुस्तक (गंगा)
- श्यामपट एवं मार्कर
- व्यंग्यात्मक चित्र/कार्टून
- समाचार-पत्र/पत्रिकाएँ
- कार्यपत्रक

◆ विस्तार गतिविधियाँ / जीवनोपयोगिता

- सामाजिक समस्याओं पर विचार करना और समाधान सुझाना।
- समाचार-पत्रों में व्यंग्य लेख पढ़ना।
- रचनात्मक लेखन का नियमित अभ्यास करना।

◆ इक्कीसवीं सदी के कौशल / मूल्य शिक्षा

- संचार कौशल: विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना।
- आलोचनात्मक चिंतन: सामाजिक समस्याओं का विश्लेषण।
- रचनात्मकता: व्यंग्य लेखन एवं चित्रण।
- मूल्य शिक्षा: सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदारी।

◆ पाठोपरांत चिंतन (Post Teaching Reflection)

- क्या विद्यार्थियों ने व्यंग्य के तत्वों को सही ढंग से समझा?
- क्या वे सामाजिक समस्याओं पर स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त कर पाए?

◆ उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

- कठिन शब्दों का पुनः अभ्यास कराया जाएगा।
- व्यंग्य के उदाहरणों को सरल भाषा में पुनः समझाया जाएगा।
- कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त अभ्यास एवं व्यक्तिगत सहायता दी जाएगी।

◆ अवधि-वार शिक्षण योजना (Period-wise Planning)

- प्रथम अवधि: प्रवेश गतिविधि, पाठ का वाचन, शब्दार्थ एवं प्रारंभिक व्याख्या।
- द्वितीय अवधि: शेष पाठ की व्याख्या, समूह चर्चा एवं उदाहरण।
- तृतीय अवधि: पुनरावृत्ति, प्रश्नोत्तर, रचनात्मक लेखन एवं आकलन।